



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2413]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 6, 2015/कार्तिक 15, 1937

No. 2413]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 6, 2015/KARTIKA 15, 1937

संस्कृति मंत्रालय

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 सितंबर, 2015

सरस्वती नदी के बहुविध अध्ययन हेतु सलाहकार समिति का गठन

का.आ. 3019(अ).—सरस्वती नदी घाटी के अध्ययन हेतु एक व्यापक कार्यक्रम तैयार करने और शोध तथा विकास के लिए 16 स्थलों की पहचान करने की दृष्टि से, भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय एतद्वारा नीचे निर्दिष्ट निबंधन एवं शर्तों पर समय-समय पर भारत सरकार को सलाह देने के लिए एक समिति का गठन करती है :-

नाम:- समिति का नाम सरस्वती नदी के बहुविध अध्ययन संबंधी सलाहकार समिति होगा। (जिसे यहां इसके पश्चात् एसीएमएस या समिति कहा जाएगा)

संघटन:- समिति का संघटन निम्नानुसार होगा:

- | | |
|---|----------|
| 1. संस्कृति मंत्री | —अध्यक्ष |
| 2. सचिव (संस्कृति) | —सदस्य |
| 3. सचिव (पर्यटन) | —सदस्य |
| 4. महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण | —सदस्य |
| 5. संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय | —सदस्य |
| 6. जल संसाधन मंत्रालय के प्रतिनिधि | —सदस्य |
| 7. अंतरिक्ष मंत्रालय/ईसरो के प्रतिनिधि | —सदस्य |
| 8. ओएनजीसी के प्रतिनिधि | —सदस्य |
| 9. पर्यावरण और वन मंत्रालय के प्रतिनिधि | —सदस्य |
| 10. शहरी विकास मंत्रालय के प्रतिनिधि | —सदस्य |

- | | |
|--|-------------|
| 11. श्री वाई. एस. रावत, पुरातत्व निदेशक
(सेवानिवृत्त) (गुजरात सरकार के प्रतिनिधि) | —सदस्य |
| 12. मुख्य अभियंता, अंतर राज्य और
समन्वयन (राजस्थान के प्रतिनिधि) | —सदस्य |
| 13. अपर मुख्य सचिव (संस्कृति/पुरातत्व
(हरियाणा सरकार के प्रतिनिधि) | —सदस्य |
| 14. निदेशक (ई.ई.) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
गैर-सरकारी सदस्य | —सदस्य-सचिव |
| 15. प्रो. बी.बी. लाल, नई दिल्ली | —सदस्य |
| 16. श्री दर्शन लाल जैन, हरियाणा | —सदस्य |
| 17. श्री के. एन. दीक्षित, नई दिल्ली | —सदस्य |
| 18. डा. वीएमके पुरी, हिमाचल प्रदेश | —सदस्य |
| 19. श्री प्रशांत भारद्वाज, हरियाणा | —सदस्य |
| 20. डा. अमित जैन, नई दिल्ली | —सदस्य |
| 21. श्री बाल मुकुंद, नई दिल्ली | —सदस्य |
| 22. डा. के. एस. वाल्दिया, बंगलौर | —सदस्य |
| 23. डा. ए. आर. चौधरी, हरियाणा | —सदस्य |
| 24. डा. एस. कल्याणरामन, चेन्नई | —सदस्य |

विचारार्थ विषय : यह समिति सरकार को निम्नलिखित विषयों पर सलाह देगी:-

1. सरस्वती नदी और उसकी घाटी को परिभाषित करने में
2. सरस्वती नदी घाटी के अध्ययन के लिए भू-तकनीकी स्वरूप की विशिष्ट वस्तुओं की पहचान करना और सक्षम अभिकरणों/व्यक्तियों के नाम सुझाना
3. बहुविध शोध अनुसंधान के लिए पुरातत्वीय स्थलों और क्षेत्रों की पहचान करना और शिक्षा एवं पर्यटन के केन्द्रों के रूप में विकसित करने के लिए उनके सामर्थ्य का निर्धारण करना।

स्वरूप और प्रयोजन:-

यह समिति अन्य बातों के साथ-साथ, भू-तकनीकी, पुराजैविकीय और पुरातत्वीय विश्लेषण तथा शोध हेतु डाटा का संग्रहण करने के लिए उत्खनन/अन्वेषण द्वारा रिमोट सेंसिंग इमेजरी, एकीकृत जीपीआर सर्वेक्षण और स्तर विज्ञान के साथ साथ वैज्ञानिक जांच का प्रयोग करके भूदृश्य विकास, पर्यावरणीय बदलाव, खास तौर पर सरस्वती नदी और आम तौर पर उसकी घाटी के आद्य-ऐतिहासिक युग पर विशेष बल सहित पुरातत्वीय संस्कृतियों के इतिहास जैसे शोध के विषयों की पहचान करेगी।

समिति शिवालिक से लेकर कच्छ के रण, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के राज्यों में आने वाले अरब सागर तक फैले हुए क्षेत्र में विनिर्दिष्ट/चयनित प्रांतों अथवा स्थानों में फील्ड शोध करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, राज्य सरकारों/विश्वविद्यालयों और अन्य वैज्ञानिक अथवा आकादमिक संगठनों एवं निकायों से दलों का गठन करेगी/समुचित अभिकरणों का चयन भी करेगी।

कार्यकाल:-

समिति का कार्यकाल इसके अधिसूचित होने की तिथि की दो वर्षों तक होगा। इसकी बैठक प्रत्येक तीन माह में एक बार अथवा अध्यक्ष के निर्णय के अनुसार कभी भी हो सकती है।

व्यय :-

गैर-सरकारी सदस्यों के संबंध में यात्रा और स्थानीय आतिथ्य पर हुआ व्यय संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा वहन किया जाएगा।

इसे संस्कृति मंत्री के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

[फा. सं. 21/1/2015-ईई (एसएचपी)]

डा. राकेश तिवारी, महानिदेशक

MINISTRY OF CULTURE
(Archaeological Survey Of India)
NOTIFICATION
New Delhi, the 6th September, 2015

Constitution of the Advisory Committee for the Multidisciplinary Study of the River Sarasvati

S.O. 3019(E).— With a view to drawing up a comprehensive programme for the study of the Sarasvati basin, and to identify 16 sites for research and development, the Government of India, Ministry of Culture hereby constitutes a Committee for advising the Government of India from time to time on the terms and conditions specified below:—

Name: The name of the Committee will be the Advisory Committee for the Multidisciplinary Study of the River Sarasvati. (to be called ACMS or Committee hereinafter)

Composition: The Composition of the Committee will be as follows:

- | | |
|--|-------------------|
| 1. Minister of Culture | —Member |
| 2. Secretary (Culture) | —Member |
| 3. Secretary (Tourism) | —Member |
| 4. Director General, Archaeological Survey of India (ASI) | —Member |
| 5. Joint Secretary, Ministry of Culture | —Member |
| 6. Representative of Ministry of Water Resource | —Member |
| 7. Representative of Ministry of Space/ISRO | —Member |
| 8. Representative of ONGC | —Member |
| 9. Representative of Ministry of Environment and Forest | —Member |
| 10. Representative of Ministry of Urban Development | —Member |
| 11. Shri Y.S. Rawat, Director of Archaeology (Retd.) (Representative of) Government of Gujarat | —Member |
| 12. Chief Engineer, Inter State and Coordination (Representative of Rajasthan) | —Member |
| 13. Additional Chief Secretary (Culture/Archaeology (Representative of) Government of Haryana | —Member |
| 14. Director (EE), Archaeological Survey of India | —Member Secretary |

Non-Official Members

- | | |
|--------------------------------------|---------|
| 15. Prof. B.B. Lal, New Delhi | —Member |
| 16. Shri Darshan Lal Jain, Haryana | —Member |
| 17. Shri K.N. Dikshit, New Delhi | —Member |
| 18. Dr. VMK Puri, Himachal Pradesh | —Member |
| 19. Shri Prashant Bharadwaj, Haryana | —Member |
| 20. Dr. Amit Jain, New Delhi | —Member |
| 21. Shri Bal Mukund, New Delhi | —Member |
| 22. Dr. K.S. Valdiya, Bangalore | —Member |
| 23. Dr. A.R. Chaudhri, Haryana | —Member |
| 24. Dr. S. Kalyanraman, Chennai | —Member |

Terms of reference: The Committee will advise the Government on the following subjects:

1. To define the Sarasvati river and its basin
2. To indentify special items of geotechnical nature for study of the Sarasvati basin and to suggest names of competent agencies/individuals
3. To identify archaeological sites and areas for multidisciplinary research and to assess their potential for development as centres of education and tourism.

Nature and Scope:

Among other things, the Committee will identify subjects of research such as landscape evolution, environmental changes, history of archaeological cultures with special emphasis on the protohistorical era of River Sarasvati in particular and its basin in general by employing remote sensing imagery, integrated GPR survey and stratigraphical as well as scientific investigation by exploration/excavation for collection of data for geotechnical, palaeobiological and archaeological analyses and research.

The Committee will also identify proper agencies/formation of teams from the Archaeological Survey of India, State Governments/Universities and other Scientific or Academic organizations and bodies for carrying out field research in specified/identified zones or places in the area stretching from the Siwaliks to the Rann of Kachchh, Kachchh and the Arabian Sea falling in the States of Himachal Pradesh, Haryana, Punjab, Rajasthan and Gujarat.

Tenure:

The tenure of the Committee will be for two years from the date of its notification.

It shall meet every three months or at anytime as Chairman decides.

Expenses:

Expenses on the travelling and local hospitality in respect of the non-official members will be borne by the Archaeological Survey of India in the Ministry of Culture, Government of India.

This issues with the approval of Minister of Culture.

[F.No. 21/1/2015-EE (SHP)]

Dr. RAKESH TEWARI, Director General